



एच डी एफ सी बैंक

बैंक के ग्राहकों के अधिकार



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया

#कैश भूल जाओ ...डिजिटल बनें!

व्यक्तियों के लिए :



मासिक खर्च एवं निधि अंतरण

मेड, ड्राइवर, लॉन्ड्री, बिल्डिंग मेन्टेनेन्स, दूध, अखबार, केबल टीवी, किराया, कार वॉश

तुरंत भुगतान करें, 24X7: **UPI** (MobileBanking), **PAYZAPP**, **chillr**

एचडीएफसी बैंक यूपीआई से निधि अंतरण

1. नए एचडीएफसी बैंक मोबाइलबैंकिंग एप को डाउनलोड करें।
2. कस्टमर आईडी एवं पासवर्ड या निविक एक्सेस पिन की मदद से लॉगिन करें। 'अकाउंट्स' टैब पर क्लिक करें।
3. 'इन्वाचारी' के अंतर्गत, यूपीआई पर क्लिक करें।
4. अपने युनिक वर्चुअल पेर्मेट एड्रेस (वीपीए) को रजिस्टर करें और 'कंटिन्यू' को चुनें।

पेजेप के साथ कैसे शुरूआत करें?

1. पेजेप को प्लेस्टोर या एप स्टोर से डाउनलोड करें।
2. रजिस्टर करें और अपना 4-12 डिजिट सिक्योर पिन बनाएँ।
3. अपने डेबिट/क्रेडिट कार्ड को लिंक करें।
4. 'एड/सेंड मनी' पर क्लिक करें।
5. लाभार्थी का मोबाइल नं. या ई-मेल प्रविष्ट करें।
6. राशि प्रविष्ट करें और 'कन्फर्म' पर क्लिक करें।



यूटिलिटी बिल/उपयोगिता बिल

बिजली, मोबाइल, लैंडलाइन, डीटीएच, गैस, बीमा

स्वतः बिल भुगतान निर्धारित करें : नेटबैंकिंग में स्थाई अनुदेश

1. नेटबैंकिंग के लिए लॉगिन करें।
2. 'बिल पे एंड रिचार्ज' टैब पर जाएँ।
3. बिलर को रजिस्टर करें और स्वतः बिल भुगतान को निर्धारित करें।



खरीददारी, यात्रा, मनोरंजन/शॉपिंग, ट्रैवल, एंटरटेनमेंट

चिकित्सा, किराना, कपड़े, ईथन, टैक्सी, फ्लाइट, होटल, रेस्टोरेन्ट, मूवी

ऑफलाइन या ऑनलाइन भुगतान करें : क्रेडिट/डेबिट/प्रीपेड कार्ड्स, **PAYZAPP**

आपका क्रेडिट/डेबिट कार्ड इस प्रकार सुरक्षित होता है :

1. आपका 4 अंकों का पिन ही आपका सिक्योरिटी कोड है।
2. ऑनलाइन खरीददारी ओटीपी या पासवर्ड से ही प्रमाणित होती है।
3. सभी भुगतानों के लिए एसएमएस सूचना का प्रावधान होता है।
4. सभी डेबिट कार्ड लेनदेन रु. 4 लाख प्रति कार्ड तक की धोखाधड़ी के विरुद्ध बीमित होते हैं।

ग्राहकों के लिए पेजेप से नकद-मुक्त भुगतान करने हेतु 3 तरीके

1. लाभार्थी के मोबाइल नं. या ई-मेल आईडी के माध्यम से पैसे भेजें।
2. भुगतान के लिए स्कैन करें - क्यूआर कोड आधारित भुगतान (एमवीज़ा)
3. एसएमएस भुगतान - एसएमएस/ई-मेल आधारित भुगतान



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया

बैंकों के ग्राहकों के अधिकार



Banking Codes and Standards Board of India

भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड



BANKING CODES AND STANDARDS BOARD OF INDIA

www.bcsbi.org.in



प्रिय पाठकों,

मुझे 'बैंकों के ग्राहकों के अधिकार' चित्र-पुस्तिका के माध्यम से पेश करते हुये बहुत खुशी हो रही है।

बैंकिंग सेवाओं और इसके बारे में ग्राहकों को उनके अधिकारों के बारे में सचेत करने के लिये यह भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड की बैंकों के ग्राहकों के प्रति एक छोटी सी कोशिश है। अब तक प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत देश भर में करीब 25 करोड़ बचत खाते खुल चुके हैं। इस लिये यह जरूरी है कि इन खाताधारकों को बैंकों की विभिन्न सेवाओं के बारे में पता हो।

तकनीकी प्रगति के कारण बैंकिंग लेनदेन ए टी एम, इंटरनेट बैंकिंग, आदि से बहुत आसान हो गया है, परंतु इनके कारण धोखा धड़ी और जोखिम भी बढ़ गया है। इसलिये यह जरूरी है कि ग्राहकों को पता होना चाहिये कि वे धोखा धड़ी से बचने के लिये क्या - क्या सावधानियाँ लें।

ऊपर लिखी बातों को ध्यान में रखते हुए, इस चित्र-पुस्तिका को छापा गया है। आशा करता हूँ कि यह पुस्तिका पाठकों के लिए उपयोगी होगी और सदस्य बैंक वित्तीय समावेशन के तहत इसका भरपूर प्रचार करेगा।

(ए. सी. महाजन)

अध्यक्ष

भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड

अक्टूबर 17, 2016

विषय-सूची

1. प्राथमिक बचत बैंक जमा (बी एस बी ढी) - छोटा खाता खुलवाना इतना आसान
2. जमा खातों की विशेष शर्तें
3. बचत खाते में कम से कम राशि की शर्त
4. जमा खाते में नामांकन करना
5. खाते में चेक जमा करना
6. निष्क्रिय हो गये बचत खाते को दोबारा चालू कराना
7. बैंक में अपने फटे/पुराने नोट बदलवाना
8. फिक्स्ड डिपासिट का पैसा समय से पहले निकलवाना या उसके एवज़ में कर्ज़ लेना
9. खाता धारक की मौत हो जाने पर FD (मीयादी जमा) को समय से पहले बंद करना
10. मृतक खाता धारकों के संबंध में दावों का निपटान
11. प्राथमिक बचत बैंक जमा (BSBD) खाते के साथ 'रुपे कार्ड'
12. खाते में से पैसा निकलने का एस. एम. एस. आना परंतु ए.टी.एम. मशीन से पैसा नहीं निकलना
13. डेबिट / रुपे कार्ड खो जाने की सूचना देना
14. पैसे एक ही बैंक में एक जगह से दूसरी जगह भेजना
15. शिकायत करने का ढंग
16. एक ही खिड़की पर बुजुर्ग लोगों/विकलांग लोगों को सभी सुविधायें
17. निजता एवं गोपनीयता का अधिकार
18. ग्राहक को बीमा पोलिसी गलत ढंग से बेचना
19. विजनेस प्रतिनिधि/सुविधादाता से बैंकिंग में सहायता

1. प्राथमिक बचत बैंक जमा (बी एस बी डी) - छोटा खाता खुलवाना इतना आसान



नोट : बी.एस.बी.डी. - छोटा खाता एक फोटो और बैंक के खाता खोलने के फार्म पर हस्ताक्षर कर के या अंगूठा लगाकर खोला जा सकता है। लेकिन इस खाते में लेन-देन की सीमा है।

2. जमा खातों की विशेष शर्तें

क्या आप सबको बैंक के फिक्स्ड डिपासिट के बारे में पता है ? पवन नुम्ब बताओ !

प्रौढ़ शिक्षा

इसमें
एक साल से
लेकर दस साल
के लिये पैसा
जमा कर सकते
हैं और इसमें
बचत खाते से
ज्यादा व्याज
मिलता है।

फिक्स्ड डिपासिट



मोहित नुम्ब हृषि कुछ पता हो
तो बताओ

यह एक या तीन लोगों के
नाम में भी खोल सकते हैं।

तुम्हरे में से किस - किस ने यह
खाता खोला है ?



मास्टर जी, मैंने

क्या तुम्हें उस समय बताया गया
था कि फिक्स्ड डिपासिट की खास
शर्तें क्या हैं ?

जब भी फिक्स्ड डिपासिट खोले,
उसकी खास शर्तों की मांग करो,
ताकि तुम्हें इसके बारे में सारी
जानकारी मिले।



नोट : बैंकों के लिये जरूरी है कि वे डिपासिट खातों की विशेष शर्तों की जानकारी ग्राहकों को खाता खोलने के समय दे।

3. बचत खाते में कम से कम राशि की शर्त

महंगाई इतनी बढ़ गयी है। मुझे तो समझ ही
नहीं आता कि गुजारा कैसे करें।

वो तो है, पर मैं तो पगार
मिलते ही 500 रुपये बैंक में अपने
खाते में जमा कर देती हूँ जो कि
ज़रूरत पड़ने पर निकाल सकूँ।

अगर सारे पैसे निकालने
पड़े तो क्या बैंक ऐसा
करने देगा?

हाँ विमला, बी एस बी डी खाने में अगर कोई पैसा नहीं भी रहे
तो भी हम खाता चालू रख सकते हैं।

मैं तो सोचती हूँ, मैं भी एक ऐसा खाता बैंक में खोल
दूँ जिसमें जब पैसे हीं तो कुछ पैसे बैंक में जमा कर सकूँ
और जब ज़रूरत हो तो निकाल सकूँ।

शुभ काम में देशी
क्यों करती है।
बैंक में आज ही
खाता खोल दे।

नोट : बी एस बी डी खातों में कुछ भी राशि नहीं है तो भी खाता चालू रह सकता है और उस पर कोई जुर्माना भी नहीं लगता।

4. जमा खाते में नामांकन करना



नोट : बचत खाते/फिक्स्ड डिपासिट में नामांकन करने से बाद में परेशानी से बचा जा सकता है।

5. खाते में चेक जमा करना



नोट : बाक्स में डालने से पहले या काउंटर पर चेक देने से पहले, उसके पीछे बचत खाता नंबर जरूर लिखें, जिसके खाते में चेक जमा करना है। उसका या जमाकर्ता का फोन नंबर भी जरूर लिखें।

6. निष्क्रिय हो गये बचत खाते को दोबारा चालू कराना



नोट : बैंक के खाते को दोबारा चालू कराने के लिए बैंक आपसे कोई फीस नहीं लेता।

7. बैंक में अपने फटे/पुराने नोट बदलवाना



नोट: आप बैंक की किसी भी शाखा में जाकर अपने फटे/पुराने नोट बदल सकते हैं।

8. फिक्स्ड डिपासिट का पैसा समय से पहले निकलवाना या उसके एवज़ में कर्ज़ लेना



नोट: फिक्स्ड डिपासिट का समय से पहले भुगतान हो सकता है या उसके एवज़ में कर्ज़ भी लिया जा सकता है।

9. खाता धारक की मौत हो जाने पर FD (मीयादी जमा) को समय से पहले बंद करना



नोट : जमाकर्ता की मौत होने पर फिक्स्ड डिपासिट के नामिती को, फिक्स्ड डिपासिट का समय से पहले भुगतान किया जा सकता है और इस पर कोई जुर्माना भी नहीं लगता।

10. मृतक खाता धारकों के संबंध में दावों का निपटान



ठीक है साहिब, मैं मौसी के साथ सारे कागज दो-तीन दिन में लेकर आऊंगी, ताकि इन्हें पैसा मिल सके।

नोट : बिना नामांकन वाले खाते का जमाकर्ता के कानूनी उत्तराधिकारीयों को भुगतान जमाकर्ता की मृत्यु का प्रमाणपत्र, दावाकर्ता के पहचान पत्र और एफिडेविट लेकर, दावा प्राप्त करने की तारीख से अधिकतम 15 दिनों में बैंक द्वारा किया जाता है।

11. प्राथमिक बचत बैंक जमा (BSBD) खाते के साथ 'रुपे कार्ड'



नोट : अपने बचत खाते के साथ रुपे कार्ड जरूर लीजिये मगर अपने रुपे कार्ड का नंबर या पिन किसी को नहीं बताये।

12. खाते में से पैसा निकलने का एस. एम. एस. आना परंतु ए. टी. एम. मशीन से पैसा नहीं निकलना



नोट: अगर आपको बचत खाते से पैसे निकालने का एस एम एस तो मिलता है परंतु ए टी एम मशीन से पैसे नहीं निकलते या कम निकलते हैं, तो इसकी शिकायत तुरंत अपने बैंक के टॉल फ्री नंबर या बैंक ब्रांच में करें।

13. डेबिट / रुपे कार्ड खो जाने की सूचना देना



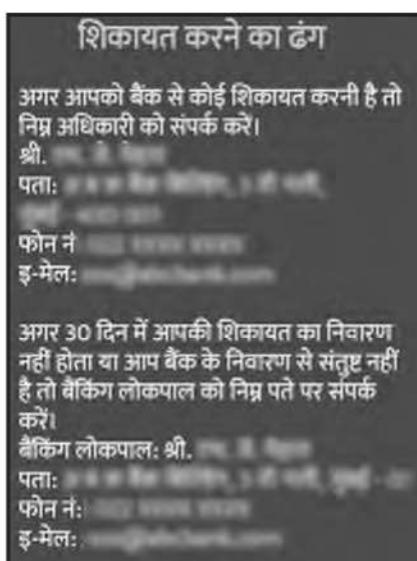
नोट: अगर आपका डेबिट/रुपे कार्ड खो जाये तो बैंक के टॉल फ्री नम्बर पर फोन करके अपना कार्ड जल्दी से ब्लॉक करवा दें ताकि कोई आपके कार्ड का गलत इस्तेमाल नहीं कर सके।

14. पैसे एक ही बैंक में एक जगह से दूसरी जगह भेजना



नोट: आप अपने बैंक में जाकर अपने खाते से पैसे अपने ही बैंक के किसी भी ग्राहक के खाते में बहुत कम समय में भेज सकते हैं।

15. शिकायत करने का ढंग



नोट : अगर आप बैंक की किसी सेवा से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप बैंक के शाखा अधिकारी या टॉल फ्री नम्बर पर इसकी शिकायत कर सकते हैं।

16. एक ही खिड़की पर बुजुर्ग लोगों/विकलांग लोगों को सभी सुविधायें



नोट: बुजुर्ग/विकलांग लोगों को एक ही खिड़की (जगह) पर सारी सुविधायें देना बैंकों के लिये जरूरी है।

17. निजता एवं गोपनीयता का अधिकार

साहिब, चाचा को आपसे कुछ पूछना है।



साहिब, मेरी बेटी की शादी की बात जिस लड़के से चल रही है, उसका आपके बैंक में जमा खाता है।



क्या आप बता सकते हैं कि उसके खाते में कितना पैसा है?



कृपया मुझे माफ करें। हम किसी ग्राहक के बैंक में जमा खाते, कर्ज आदि की सूचना दूसरे व्यक्ति को चाहे वो उसके परिवार का भी हो, नहीं दे सकते।



नोट : बैंक अपने ग्राहकों के जमा खातों, कर्ज आदि की सूचना किसी को भी (जिसमें उसके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं), नहीं देता।

18. ग्राहक को बीमा पॉलिसी गलत ढंग से बेचना



नोट : बैंक में पैसा ऐसे डिपासिट में ही रखें जिसे आप समझते हैं। बीमा पॉलिसी और म्यूचल फंड में पैसा तभी लगायें जब आपको उनकी समझ है क्योंकि उनमें पैसा लगाने में जोखिम है। बैंक के रुपाएँ आपको बीमा पॉलिसी लेने या म्यूचल फंड में पैसा लगाने के लिये मजबूर भी नहीं कर सकते।

19. बिजनेस प्रतिनिधि/सुविधादाता से बैंकिंग में सहायता



नोट: बिना बैंक सुविधा वाली जगहों पर बिजनेस प्रतिनिधि/सुविधादाता बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध कराते हैं।

ग्राहकों के लिये ध्यान देने योग्य बातें

- बी एस बी डी - छोटा खाता खोलना बहुत ही आसान है।
- जमा खाता खोलने से पहले उसकी विशेष शर्तों को ज़रूर पढ़ें और समझें।
- बचत खाते और फिक्स्ड डिपासिट (मीयादी जमा) खाते में नामांकन ज़रूर करें।
- फिक्स्ड डिपासिट (मीयादी जमा) खातों से पैसा समय से पहले निकलवाया जा सकता है और उसके एवज़ में कर्ज़ भी लिया जा सकता है।
- अपने बचत खातें के साथ रुपे/ए टी एम कार्ड ज़रूर लें ताकि आपको अपना पैसा निकलवाना आसान हो।
- अपने रुपे/ए टी एम कार्ड को बहुत संभाल कर रखें। इसका नम्बर और पिन किसी को (बैंक के किसी कर्मचारी को भी) नहीं बतायें।
- अगर आपका रुपे/ए टी एम कार्ड खो जाये या आपके ए टी एम कार्ड पर पैसे न निकलवाने पर भी आपके खाते से पैसा निकलवाने का एस एस आपको आये तो उसकी सूचना बैंक को तुरंत दें।
- आपको अपने बचत खाते में कुछ न कुछ पैसा जमा या निकलवाते रहना चाहिये। दो वर्ष में कम से कम एक बार तो बचत खाते में कोई लैन-देन ज़रूर करना चाहिये ताकि आपका खाता निष्क्रिय न हो जाये।
- अगर आपको बैंक की किसी सेवा के बारे में कोई कठिनाई आती है या आपको कोई शिकायत करनी है तो बैंक के शाखा अधिकारी को इसकी तुरंत शिकायत करें या टॉल फ्री नंबर पर फोन करें।
- बैंकों के लिये ज़रूरी है कि वे बुजुर्ग/विकलांग लोगों को सारी सुविधायें एक ही जगह पर दें।
- जहाँ पर किसी बैंक की शाखा नहीं है वहाँ पर बिजनेस प्रतिनिधि/सुविधादाता बैंकिंग सुविधायें ग्राहकों तक पहुँचाते हैं।
- बैंकिंग कोड आपके अधिकारों के बारे में बताते हैं कि ग्राहकों से अच्छा व्यवहार किया जाए और सब सेवायें साफ-साफ बता कर दी जाएं। आपको इनके बारे में जानकारी रखनी चाहिये।

कॉपीराइट:

इस सामग्री का उपयोग किया जा सकता है बशर्ते योत का उल्लेख किया जाये।

दावात्याग

इस पुस्तिका का उद्देश्य आम ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं और उसके बारे में उनके अधिकारों के बारे में सचेत करना है। पाठकों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी का उपयोग खुद की समझदारी से करें।



Banking Codes and Standards Board of India

भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड

www.bcsbi.org.in

#कैश भूल जाओ ...डिजिटल बनें!

व्यक्तियों के लिए :



कर्मचारियों के वेतन एवं प्रतिपूर्तियाँ

समय पर अदायगी : इनेट, प्रीपेड कार्ड

1. इनेट के लिए लॉगिन करें.
2. 'कैश मैनेजमेंट सर्विसेस' टैब पर जाएँ और बल्क सैलरी फ़ाइल अपलोड करें.
3. कर्मचारी को तुरंत वेतन प्राप्ति



वेन्डर पेमेन्ट / विक्रेता भुगतान

सीधे ऑनलाइन भुगतान करें : इनेट के माध्यम से निधि अंतरण, एनईएफटी, आरटीजीएस

1. इनेट के लिए लॉगिन करें.
2. 'कैश मैनेजमेंट सर्विसेस' टैब पर जाएँ और बल्क पेमेन्ट फ़ाइल अपलोड करें.
3. निधि अंतरण, आरटीजीएस या एनईएफटी के माध्यम से सीधे वेन्डर को प्राप्ति.



पैसे भेजना

टैक्स एवं शुल्क का भुगतान : नेटबैंकिंग, स्मार्टहब भुगतान समाधान

1. शासकीय टैक्स वेबसाइट पर जाएँ.
2. आप जिस टैक्स का भुगतान करना चाहते हैं, उसे चुनें.
3. भुगतान के लिए एचडीएफसी बैंक नेटबैंकिंग का चुनें.

व्यक्तिगत एवं व्यवसाय के लिए

विजिट करें: www.hdfcbank.com पर या से डाउनलोड करें.

व्यापारियों के लिए

हमें 18002101101 पर कॉल करें (टोल फ्री नंबर)



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया